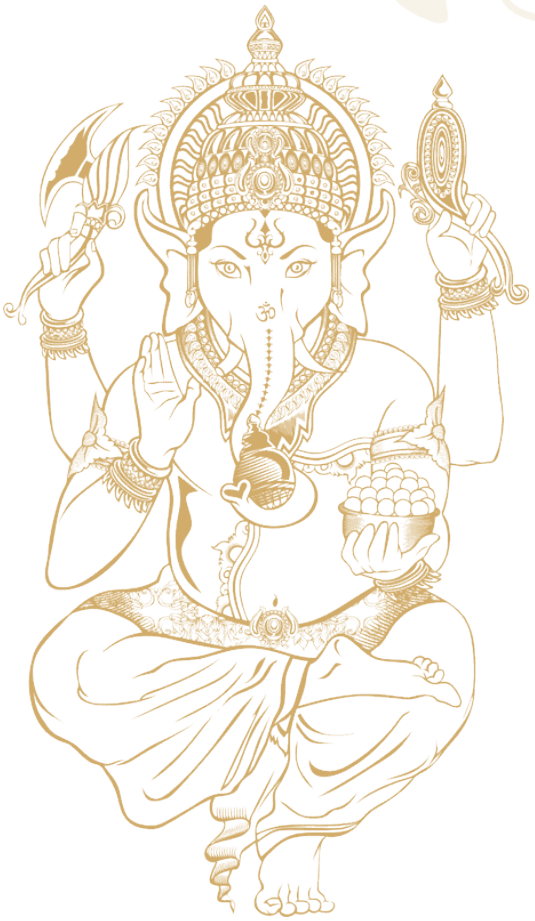

Mr.Robin Bhatti

19 Feb 2004

10:30 AM

Jandiala

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119517307

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
19/02/2004	जन्म तिथि	**18/02/2025**
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	19:49:48 घंटे
घटी 08:23:01	जन्म समय(घटी)	31:42:19 घटी
India	देश	India
Jandiala	स्थान	Jandiala
उत्तर 31:36:00	अक्षांश	31:36:00 उत्तर
पूर्व 75:03:00	रेखांश	75:03:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:48	स्थानिक संस्कार	-00:29:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:47	सूर्योदय	07:08:52
18:19:03	सूर्यास्त	18:18:59
23:54:43	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:31

मेष	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	स्वाति
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	2
वरियान	योग	वृद्धि
शकुनि	करण	वणिज
खो-खोकरन	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग
21	गत/तत्कालिक वर्ष	22

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
भरणी	1	16:30:17	मेष			लग्न			सिंह	26:09:39	4	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	05:58:08	कुंभ			सूर्य			कुंभ	05:58:08	4	धनिष्ठा
श्रवण	4	20:38:35	मक			चंद्र			तुला	12:41:23	2	स्वाति
भरणी	1	16:09:10	मेष			मंगल	व		मिथु	22:59:49	1	पुनर्वसु
धनिष्ठा	1	25:10:42	मक		अ	बुध		अ	कुंभ	13:20:50	3	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	3	21:50:27	सिंह	व		गुरु			वृष	17:24:27	3	रोहिणी
रेवती	1	18:24:48	मीन			शुक्र			मीन	14:10:50	4	उ०भाद्रपद
आर्द्रा	2	12:39:27	मिथु	व		शनि			कुंभ	25:13:27	2	पू०भाद्रपद
भरणी	3	20:27:11	मेष	व		राहु			मीन	03:26:10	1	उ०भाद्रपद
विशाखा	1	20:27:11	तुला	व		केतु			कन्या	03:26:10	3	उ०फाल्गुनी
शतभिषा	1	08:42:26	कुंभ			मु			मक	16:30:17	2	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:31

लग्न-चलित

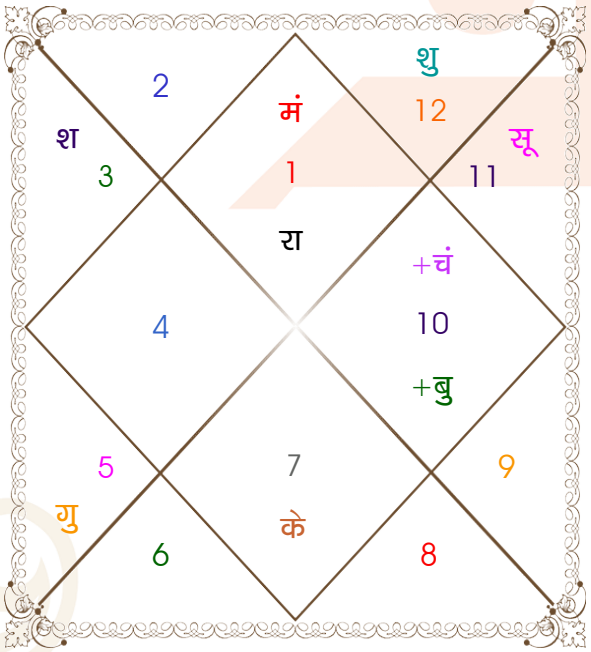

वर्ष लग्न कुंडली

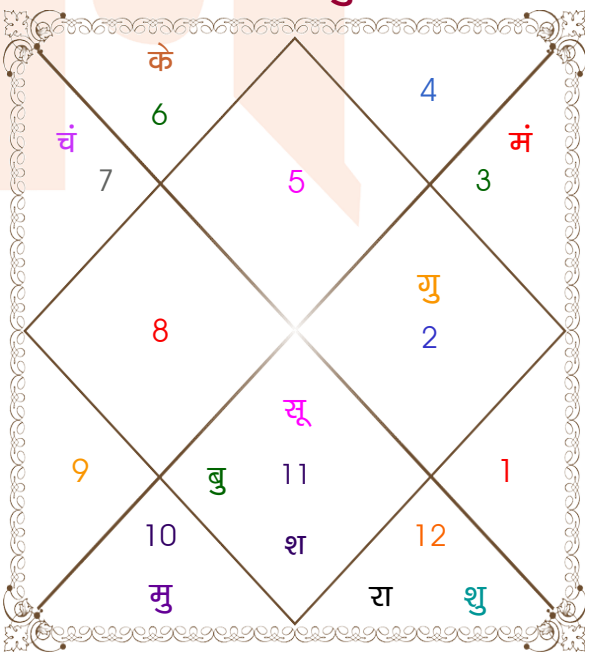

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - मंगल		राहु - शुक्र - राहु		राहु - शुक्र - गुरु		राहु - शुक्र - शनि	
08/08/2025 11:53		11/10/2025 09:56		24/03/2026 18:38		17/08/2026 21:02	
11/10/2025 09:56		24/03/2026 18:38		17/08/2026 21:02		07/02/2027 08:53	
मंगल	12/08/2025 05:22	राहु	05/11/2025 01:38	गुरु	13/04/2026 06:09	शनि	14/09/2026 08:18
राहु	21/08/2025 19:28	गुरु	26/11/2025 23:35	शनि	06/05/2026 09:20	बुध	08/10/2026 22:11
गुरु	30/08/2025 08:01	शनि	23/12/2025 00:10	बुध	27/05/2026 02:04	केतु	19/10/2026 01:04
शनि	09/09/2025 10:54	बुध	15/01/2026 07:00	केतु	04/06/2026 14:36	शुक्र	16/11/2026 23:03
बुध	18/09/2025 12:13	केतु	24/01/2026 21:06	शुक्र	28/06/2026 23:00	सूर्य	25/11/2026 15:14
केतु	22/09/2025 05:43	शुक्र	21/02/2026 06:33	सूर्य	06/07/2026 06:20	चंद्र	10/12/2026 02:14
शुक्र	02/10/2025 21:23	सूर्य	01/03/2026 11:48	चंद्र	18/07/2026 10:32	मंगल	20/12/2026 05:07
सूर्य	06/10/2025 02:05	चंद्र	15/03/2026 04:31	मंगल	26/07/2026 23:04	राहु	15/01/2027 05:42
चंद्र	11/10/2025 09:56	मंगल	24/03/2026 18:38	राहु	17/08/2026 21:02	गुरु	07/02/2027 08:53

राहु - शुक्र - बुध		राहु - शुक्र - केतु		राहु - सूर्य - सूर्य		राहु - सूर्य - चंद्र	
07/02/2027 08:53		12/07/2027 14:26		14/09/2027 12:29		30/09/2027 22:57	
12/07/2027 14:26		14/09/2027 12:29		30/09/2027 22:57		28/10/2027 08:24	
बुध	01/03/2027 08:40	केतु	16/07/2027 07:55	सूर्य	15/09/2027 08:12	चंद्र	03/10/2027 05:44
केतु	10/03/2027 09:59	शुक्र	26/07/2027 23:35	चंद्र	16/09/2027 17:04	मंगल	04/10/2027 20:05
शुक्र	05/04/2027 06:55	सूर्य	30/07/2027 04:17	मंगल	17/09/2027 16:05	राहु	08/10/2027 22:42
सूर्य	13/04/2027 01:11	चंद्र	04/08/2027 12:08	राहु	20/09/2027 03:15	गुरु	12/10/2027 14:22
चंद्र	25/04/2027 23:39	मंगल	08/08/2027 05:37	गुरु	22/09/2027 07:51	शनि	16/10/2027 22:27
मंगल	05/05/2027 00:58	राहु	17/08/2027 19:43	शनि	24/09/2027 22:18	बुध	20/10/2027 19:36
राहु	28/05/2027 07:48	गुरु	26/08/2027 08:16	बुध	27/09/2027 06:11	केतु	22/10/2027 09:57
गुरु	18/06/2027 00:33	शनि	05/09/2027 11:09	केतु	28/09/2027 05:12	शुक्र	26/10/2027 23:31
शनि	12/07/2027 14:26	बुध	14/09/2027 12:29	शुक्र	30/09/2027 22:57	सूर्य	28/10/2027 08:24

राहु - सूर्य - मंगल		राहु - सूर्य - राहु		राहु - सूर्य - गुरु		राहु - सूर्य - शनि	
28/10/2027 08:24		16/11/2027 12:37		04/01/2028 20:01		17/02/2028 15:56	
16/11/2027 12:37		04/01/2028 20:01		17/02/2028 15:56		09/04/2028 17:06	
मंगल	29/10/2027 11:14	राहु	23/11/2027 22:07	गुरु	10/01/2028 16:17	शनि	25/02/2028 21:43
राहु	01/11/2027 08:16	गुरु	30/11/2027 11:55	शनि	17/01/2028 14:50	बुध	04/03/2028 06:41
गुरु	03/11/2027 21:38	शनि	08/12/2027 07:17	बुध	23/01/2028 19:51	केतु	07/03/2028 07:33
शनि	06/11/2027 22:30	बुध	15/12/2027 06:56	केतु	26/01/2028 09:13	शुक्र	15/03/2028 23:45
बुध	09/11/2027 15:42	केतु	18/12/2027 03:58	शुक्र	02/02/2028 16:32	सूर्य	18/03/2028 14:12
केतु	10/11/2027 18:33	शुक्र	26/12/2027 09:12	सूर्य	04/02/2028 21:08	चंद्र	22/03/2028 22:18
शुक्र	13/11/2027 23:15	सूर्य	28/12/2027 20:22	चंद्र	08/02/2028 12:47	मंगल	25/03/2028 23:10
सूर्य	14/11/2027 22:16	चंद्र	01/01/2028 22:59	मंगल	11/02/2028 02:09	राहु	02/04/2028 18:32
चंद्र	16/11/2027 12:37	मंगल	04/01/2028 20:01	राहु	17/02/2028 15:56	गुरु	09/04/2028 17:06

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।